BYJU'S EXAM PREP

Daily Current Affairs
23 May 2022

Table of Content

1. स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक
2. राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती
3. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)
4. कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
5. भारतीय नौसेना द्वारा NASM-SR मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण
6. भारतीय सेना को प्रशिक्षित करने हेतु परियोजना वार्डेक
7. बायोआरआरएपी, बायोटेक शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप के लिए 'एकल राष्ट्रीय पोर्टल
8. विश्व कछुआ दिवस 2022

Important News: World

1. स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक

चर्चा में क्यों:

- विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 22 मई 2022 से 26 मई 2022 तक स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित की गयी जिसमे भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा इस सम्मेलन में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया है।

प्रमुख बिंदु:

- इस वर्ष आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक की थीम 'एक महत्वपूर्ण मोड़ पर इतिहास' है।
- भारत की ओर से बैठक में शामिल शिष्टमंडल में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और छह राज्यों- मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ मंत्रीगण तथा वरिष्ठ उद्योगपतियों को शामिल किया गया है।
- विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ जैसे अन्य विश्व नेताओ को वक्ताओं के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

संबंधित तथ्य:

विश्व आर्थिक मंच क्या है?

- विश्व आर्थिक मंच 1971 में स्थापित एक गैर-लाभकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना का श्रेय क्लॉस श्वाब को दिया जाता है।
- विश्व आर्थिक मंच का मुख्यालय स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में स्थित है।
- विश्व आर्थिक मंच का उद्देश्य वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक एजेंडों को आकार देने के लिये राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के अग्रणी नेतृत्व को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है।

स्रोत: द हिंदू

Important News: India

2. राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती

चर्चा में क्यों:

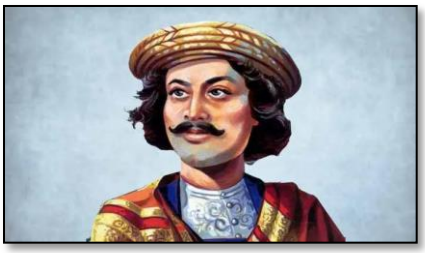

- केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती 22 मई 2022 से 22 मई 2023 तक मनाई जाएगी।

प्रमुख बिंदु:

- इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य लोगो को राजा राम मोहन राय द्वारा किये गए विभिन्न समाज सुधारक कार्यो को लोगो के सामने प्रस्तुत करना है।
- समारोह का आयोजन राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, सॉल्ट लेक, कोलकाता और विज्ञान नगरी प्रेक्षागृह, कोलकाता में आयोजित किया गया है।
- समारोह के दौरान संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी द्वारा वर्चुअल रूप से राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान में राजा राम मोहन राय की मूर्ति का अनावरण किया गया है।
- समारोह में बच्चों के लिये एक संगोष्ठी और क्विज कार्यक्रम का भी आयोजन किया किया गया है तथा समारोह में राम मोहन राय के जीवन के विभिन्न पक्षों पर एक मल्टी-मीडिया प्रस्तुतिकरण भी पेश किया गया है।

संबंधित तथ्य

- राजा राम मोहन राय (1772 - 1833) एक भारतीय सुधारक थे। उन्हें कई इतिहासकारों द्वारा "बंगाल पुनर्जागरण का जनक" माना जाता है।
- उन्होंने सती, बहुविवाह, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसे हिंदू रीति-रिवाजों के खिलाफ धर्मयुद्ध छेड़ा और संपत्ति में महिलाओं के अधिकार की मांग की।
- ब्रह्म समाज की स्थापना 1828 में राजा राम मोहन राय ने की थी।
- 1817 में डेविड हरे की मदद से उन्होंने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की।
- राजा राम मोहन राय की सबसे लोकप्रिय पत्रिका सम्बद कौमुदी थी। इनमें प्रेस की स्वतंत्रता, सेवा के उच्च पदों पर भारतीयों को शामिल करना और कार्यपालिका और न्यायपालिका को अलग करना जैसे विषय शामिल थे।
- राजा राम मोहन राय को मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने राजा की उपाधि दी थी।

स्रोत: पीआईबी

Important News: Economy

3. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

चर्चा में क्यों:

- भारत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 83.57 बिलियन अमेरिकी डालर का अभी तक का सबसे अधिक वार्षिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रवाह दर्ज किया है।

प्रमुख बिंदु:

- पिछले वित्त वर्ष 2020-21 (12.09 बिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (यूएसडी 21.34 बिलियन) में विनिर्माण क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इक्विटी प्रवाह में इस वर्ष 76% की वृद्धि हुई है।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इक्विटी प्रवाह के शीर्ष निवेशक देशों के मामले में, 'सिंगापुर' 27% के साथ शीर्ष स्थान पर है, जिसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (18%) और मॉरीशस (16%) शीर्ष राज्यों के रूप में शामिल रहे है।
- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इक्विटी प्रवाह के शीर्ष प्राप्तकर्ता क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसके बाद क्रमशः सेवा क्षेत्र (12%) और ऑटोमोबाइल उद्योग (12%) शीर्ष प्राप्तकर्ता क्षेत्र के रूप में शामिल है।
- भारत में 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' क्षेत्र के तहत, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इक्विटी प्रवाह के प्रमुख प्राप्तकर्ता राज्यों के रूप में कर्नाटक (53%), दिल्ली (17%) और महाराष्ट्र (17%) के साथ शीर्ष 3 स्थान पर स्थित हैं।
- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इक्विटी प्रवाह में 38% हिस्सेदारी के साथ कर्नाटक शीर्ष प्राप्तकर्ता राज्य है, इसके बाद महाराष्ट्र (26%) और दिल्ली (14%) का स्थान है।

स्रोत: पीआईबी

4. कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

चर्चा में क्यों:

- श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी किया गया।

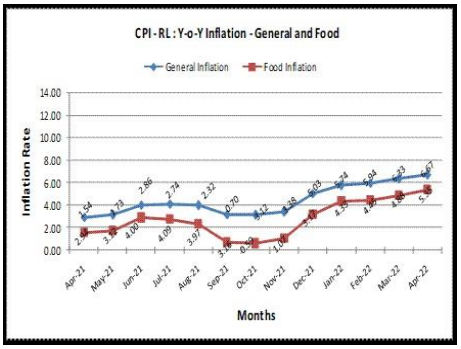

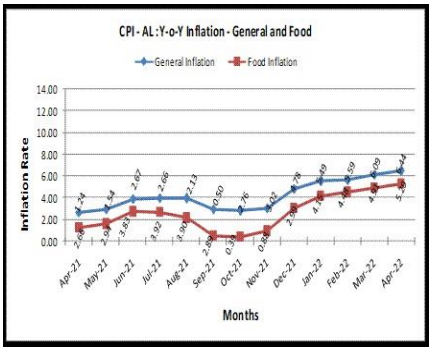

प्रमुख बिंदु:

- कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अप्रैल माह के लिए जारी किया गया ,
- कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक **10** अंक बढ़कर क्रमश: **1108** अंकों तथा **1119** अंकों के स्तर पर रहे।
- कृषि मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों के सामान्य सूचकांक में बढ़ोतरी के लिए प्रमुख योगदान चावल, गेहूं-आटा, ज्वार, बाजरा, रागी, सब्जियों और फलों आदि की कीमतों में वृद्धि से क्रमश: **7.32** और **7.13** अंक की सीमा तक आया।
- सूचकांक में वृद्धि या गिरावट अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रही जिसके अनुसार तमिलनाडु **1275** अंकों के साथ सूचकांक तालिका में शीर्ष स्थान पर स्थित है जबकि हिमाचल प्रदेश **880** अंकों के साथ सबसे नीचे स्थान पर स्थित है।
- सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल पर आधारित मुद्रास्फीति की बिंदु दर अप्रैल, **2022** में **6.44%** और **6.67%** है, जबकि मार्च, **2022** में यह क्रमश: **6.09%** और **6.33%** थी।

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या (सामान्य और समूह-वार) :(Source: PIB)

समूह	कृषि श्रमिक		ग्रामीण श्रमिक	
	मार्च, 2022	अप्रैल, 2022	मार्च, 2022	अप्रैल, 2022

समान्य सूचकांक	1098	1108	1109	1119
खाद्य	1025	1035	1032	1043
पान, सुपारी आदि	1914	1917	1924	1926
ईंधन और प्रकाश	1222	1233	1216	1226
कपड़े,बिस्तरे व जूते	1147	1162	1179	1195
विविध	1168	1177	1172	1181

स्रोत: पीआईबी

Important News: Defence

5. भारतीय नौसेना द्वारा NASM-SR मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण

चर्चा में क्यों:

- भारतीय नौसेना ने ओडिशा के बालासोर में एकीकृत परीक्षण रेंज में एक सीकिंग हेलीकॉप्टर से एक स्वदेशी नौसेना एंटी-शिप मिसाइल **NASM-SR** का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु:

- **NASM-SR** मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (**DRDO**) द्वारा विकसित किया गया है।
- **NASM-SR** एक छोटी दूरी की मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता **55** किमी और वजन **385** किलोग्राम है।
- **NASM-SR** मिसाइल वर्तमान में नौसेना के साथ प्रयोग में आने वाली सी ईगल मिसाइलों की जगह लेगी।
- **NASM-SR** में **100** किलोग्राम का वारहेड है और इसमें सब-सोनिक क्षमताएं हैं, जिसका अर्थ है कि यह मच **0.8** पर ध्वनि की गति से नीचे उड़ने में सक्षम है।
- **NASM-SR** की अधिकतम लॉन्च ऊंचाई **3** किमी है और मिसाइल अंतिम दृष्टिकोण से लक्ष्य तक समुद्र तल से **5** मीटर ऊपर स्किम कर सकती है।
- **NASM-SR** की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे समुद्र में तट से लक्षित जहाजों पर भी दागा जा सकता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

6. भारतीय सेना को प्रशिक्षित करने हेतु परियोजना वार्डेक

चर्चा में क्यों:

- आर्मी ट्रेनिंग कमांड ने नई दिल्ली में 'वारगेम रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर' विकसित करने के लिए गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु:

- 'वारगेम रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर' वर्चुअल रियलिटी वॉरगेम्स डिजाइन करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने वाला भारत में अपनी तरह का पहला सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण केंद्र होगा।
- वॉरगेम्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर का उपयोग सेना द्वारा "मेटावर्स-सक्षम गेमप्ले" के माध्यम से सैनिकों को प्रशिक्षित करने और सैनिकों की रणनीतियों का परीक्षण करने के लिए किया जाएगा।
- प्रस्तावित युद्ध मॉडल को युद्धों के साथ-साथ आतंकवाद-रोधी और आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए तैयार किया जाएगा।

- वारगेम रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर को नई दिल्ली में एक सैन्य क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Science & Technology

7. बायोआरआरएपी, बायोटेक शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप के लिए 'एकल राष्ट्रीय पोर्टल

चर्चा में क्यों:

- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बायोटेक शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप के लिए 'एकल राष्ट्रीय पोर्टल' बायोलॉजिकल रिसर्च रेगुलेटरी अप्रूवल पोर्टल (बायोआरआरएपी) लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु:

- बायोलॉजिकल रिसर्च रेगुलेटरी अप्रूवल पोर्टल को "एक राष्ट्र, एक पोर्टल"की भावना को ध्यान में रखकर स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।
- वर्तमान में भारत में 2,700 से अधिक बायोटेक स्टार्ट-अप और 2,500 से अधिक बायोटेक कंपनियां विद्यमान है भारत का लक्ष्य 2025 तक वैश्विक जैव-विनिर्माण के क्षेत्र में शीर्ष 5 देशो में शामिल होना है।
- बायोलॉजिकल रिसर्च रेगुलेटरी अप्रूवल पोर्टल की सहयता से प्रत्येक अनुसंधान, जिसमें नियामक निरीक्षण की आवश्यकता होती है, उसकी पहचान "बायोआरआरएपी आईडी"नामक एक विशिष्ट आईडी द्वारा की जाएगी।
- बायोलॉजिकल रिसर्च रेगुलेटरी अप्रूवल पोर्टल का उद्देश्य भारत में शोध संबंधी गतिविधियों को एक नयी दिशा प्रदान करना है।

स्रोत: पीआईबी

Important News: Days

8. विश्व कछुआ दिवस 2022

- प्रत्येक वर्ष 23 मई को विश्व कछुआ दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इस वर्ष विश्व कछुआ दिवस 2022 की थीम "शेलब्रेथ" है।
- विश्व कछुआ दिवस पहली बार 1990 में अमेरिकी कछुआ बचाव (एटीआर) द्वारा मनाया गया था।
- विश्व कछुआ दिवस का उद्देश्य कछुओं और कछुओं को अवैध तस्करी, विदेशी खाद्य उद्योग, आवास विनाश, ग्लोबल वार्मिंग और पालतू व्यापार से बचाना है।

संबंधित तथ्य

भारत में कछुओं के संरक्षण के लिए किये गए उपाय

- भारत में कछुओं की पांच प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें ओलिव रिडले, ग्रीन टर्टल, लॉगरहेड, हॉक्सबिल और लेदरबैक शामिल हैं।
- ऑलिव रिडले, लेदरबैक और लॉगरहेड को आईयूसीएन रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटड स्पीशीज में 'कमजोर' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि हॉक्सबिल कछुए को 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और ग्रीन टर्टल को आईयूसीएन थ्रेटड स्पीशीज के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। के रूप में सूचीबद्ध। रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध।
- भारत में कछुओं का संरक्षण भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम **1972,** अनुसूची **I** के तहत किया जाता है और जैव विविधता संरक्षण और गंगा कायाकल्प कार्यक्रम के माध्यम से भारत में कछुओं को संरक्षित किया गया है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस